

उत्तर कुंजी — सेट 1

For: Model Paper Set 1

Max. Marks: 80

Notes for valuers

- खंड क-ख: सही भाव वाले उत्तर स्वीकार करें; छोटी वर्तनी की गलतियों पर अंक न काटें।
- खंड ग-घ: नीचे दिए गए मूल्य-बिंदु मार्गदर्शन के लिए हैं; छात्र के अपने शब्दों में सही उत्तर पूरे अंक के योग्य है।
- पत्र/निबंध/संवाद (8 अंक): विषय-वस्तु 4, प्रारूप/क्रम 2, भाषा 2।
- पाठ-आधारित उत्तरों को मूल्यांकनकर्ता पाठ्यपुस्तक से मिलाकर देख लें।

खंड – क

20 × 1 = 20

1. B) रवि
2. B) आलस
3. A) रानी
4. B) चिड़ियाँ
5. B) मनः + रंजन
6. A) अ
7. C) ई
8. B) ने
9. B) झूठा कारण बताना
10. B) बच्चे खेलेंगे।
11. B) हर शनिवार
12. C) हरे
13. B) खाद
14. B) रोज़ की आदत
15. A) गंदा
16. B) धीरे-धीरे
17. B) हिम्मत
18. B) शहद
19. A) लक्ष्य / ठिकाना
20. B) मेहनत का फल मीठा होता है

खंड – ख

4 × 2 = 8

21. (क) पानी – जल, नीर (ख) पेड़ – वृक्ष, तरु (ग) माँ – माता, जननी (घ) फूल – पुष्प, सुमन
22. (क) लड़के पढ़ते हैं।
(ख) कविताएँ सुंदर हैं।
23. (क) नौ दो ग्यारह होना – भाग जाना। वाक्य: पुलिस को देखते ही चोर नौ दो ग्यारह हो गया।
(ख) हाथ बँटाना – मदद करना। वाक्य: रीना घर के कामों में माँ का हाथ बँटाती है।

24. सूरज की किरणें आने पर सारी कलियाँ खिल जाती हैं, अंधेरा दूर हो जाता है और पूरा संसार सुंदर दिखने लगता है; चिड़ियाँ मीठे स्वर में गाती हैं।

खंड – ग

5 × 4 = 20

25. कवि कहता है कि मेहनत सबसे अच्छा गुण है और आलस बहुत बड़ा दुर्गुण है। मेहनत करने वालों को सुबह बहुत प्यारी लगती है। यदि सुबह भी आलसी हो जाए तो संसार सुंदर नहीं दिखेगा। इसलिए हमें आलस छोड़कर सुबह जल्दी उठना और मेहनत करनी चाहिए।
26. तेनालीराम ने जादू दिखाने का बहाना किया। उसने एक चम्मच अपनी जेब में डाला, मंत्र पढ़ने का नाटक किया और कहा कि चम्मच किसी और की जेब में चला गया है। वह एक-एक अतिथि की ओर बढ़ा और अंत में उस अतिथि से कहा कि जादू से चम्मच उसकी जेब में पहुँच गया है। अतिथि ने चम्मच निकालकर दे दिया। इस तरह किसी का अपमान किए बिना चम्मच वापस मिल गया।
27. मूल्य-बिंदु: श्रीहरिकोटा आंध्र प्रदेश के तिरुपति ज़िले (पहले नेल्लूर) में पुलिकट झील और बंगाल की खाड़ी के बीच एक द्वीप है; यहाँ इसरो का सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (शार) है; यहाँ से रॉकेट द्वारा उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं; चंद्रयान जैसे अभियान यहीं से छोड़े गए; यह भारत का प्रमुख प्रक्षेपण केंद्र है। (पाठ के अनुसार कोई चार बातें।)
28. मूल्य-बिंदु: कूड़ेदान अपनी कहानी स्वयं कहता है – लोग कचरा उसमें डालने के बजाय इधर-उधर फेंक देते हैं; इससे गंदगी, मच्छर-मक्खियाँ और बीमारियाँ फैलती हैं; गीला और सूखा कचरा अलग-अलग डालना चाहिए; कूड़ेदान का सही उपयोग करने से घर, गली और देश साफ़ रहते हैं और हम स्वस्थ रहते हैं।
29. (क) मैं सुबह जल्दी उठता हूँ।
(ख) मेरे पिताजी किसान हैं।
(ग) अपने विद्यालय को साफ़ रखो।
(घ) श्रीहरिकोटा से रॉकेट छोड़े (प्रक्षेपित किए) जाते हैं।

[4 × 1]

खंड – घ

4 × 8 = 32

30. (अ) औपचारिक पत्र प्रारूप: प्रेषक का पता, दिनांक, सेवा में, पद व पता, विषय, महोदय, विषय-वस्तु, धन्यवाद, भवदीय / आपका आज्ञाकारी शिष्य, नाम।
विषय: दो दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना-पत्र। बीमारी (बुखार) का उल्लेख, तिथियाँ, डॉक्टर की सलाह, अवकाश स्वीकार करने का निवेदन।
30. (आ) पत्र प्रारूप: स्थान व दिनांक, संबोधन, अभिवादन, विषय-वस्तु, समापन (तुम्हारा मित्र / आपका आज्ञाकारी पुत्र), नाम।
लोहार का नाम, गाँव की सजावट, पूजा, पकवान, मेला या खेल, परिवार के साथ आनंद, मित्र को अगली बार आने का निमंत्रण।
31. (अ) स्वच्छ भारत अभियान (2 अक्टूबर 2014, गांधी जयंती); उद्देश्य – साफ़ गलियाँ, खुले में शौच से मुक्ति; स्वच्छता से स्वास्थ्य; कूड़ा कूड़ेदान में, गीला-सूखा कचरा अलग, प्लास्टिक कम; विद्यार्थियों की भूमिका; निष्कर्ष।
31. (आ) प्रिय खेल का नाम, खेलने का तरीका और नियम, कब और किसके साथ खेलते हैं, प्रसिद्ध खिलाड़ी, खेल से शारीरिक व मानसिक लाभ, क्यों प्रिय है।
32. (अ) राजा कृष्णदेवराय (विजयनगर) की दावत, सोने के बर्तन; एक अतिथि द्वारा सोने का चम्मच छिपाना; राजा का तेनालीराम को संकेत; जादू का खेल; चम्मच वापस मिलना; राजा द्वारा प्रशंसा और इनाम; सीख – बुद्धि से समस्या हल करें और किसी का अपमान न करें।
32. (आ) कूड़ेदान की आत्मकथा का सार: उसका परिचय, लोगों का लापरवाह व्यवहार, गंदगी से होने वाली हानियाँ, उसकी पीड़ा, सही उपयोग की अपील, स्वच्छता का संदेश। (पाठ्यपुस्तक से मिलाएँ।)

33. (अ) संवाद प्रारूप: वक्ताओं के नाम, 10-12 वाक्य; ग्राहक वस्तु माँगता है, दाम पूछता है, मोल-भाव, गुणवत्ता की बात, भुगतान, धन्यवाद।
33. (आ) शीर्षक: प्यासा कौआ / जहाँ चाह, वहाँ राह। गर्मी के दिन, कौआ प्यासा; घड़े में थोड़ा पानी; चोंच नहीं पहुँची; कंकड़ एक-एक करके डाले; पानी ऊपर आया; पानी पीकर उड़ गया। सीख: बुद्धि और धैर्य से हर समस्या हल होती है।

* * *